

गीता भगवान निश्चय



गीता भगवान निश्चय

मैं बड़ा शुकुराना मानती हूं कि मेरा जन्म एक योगी और साक्षात भगवान के घर में हुआ और जैसा बीज वैसा वृक्ष; तुझसे तेरा जैसा होगा। यह विद्वानों ने बता दिया। पिछले जन्म में इकरार हुआ था इस जन्म में पूरा हुआ। 25 वर्ष तो दुनिया के मजे और घर की मर्यादा में गए पर उसमें भी भलाई थी, सारे सुख मिले तभी पता चला कि सब होते हुए भी अंदर में पूर्ण शांति नहीं है तो फिर से भाग्य



जगे। गुरु संत मिलाया, प्रभु अविनाशी घर में दादा, जिसे बाप समझती थी उसकी बनाई हुई लक्ष्मी भगवान सामने प्रगट हुई। आंखों को दिव्य दृष्टि दी, पहचानो अपने आपको कि तुम कौन हो? दादा कौन है? और मैं कौन हूं? जिसने ऐसे कपाट खोल दिए, अविद्या का पर्दा हमेशा के लिए हट गया। जहां देखो जिसमें देखो, जो बन आए उसमें भलाई ही भलाई है।

जैसे मैंने निश्चय पक्का किया "तुम करो भला हम भलो ना जाने" उसके बाद पूर्ण आनंद प्राप्त किया।

जैसे मैंने निश्चय पक्का किया "तुम करो भला हम भलो ना जाने" उसके बाद पूर्ण आनंद प्राप्त किया। मैं अपने आप को भाग्यशाली समझती हूं जो आज तक गुरु ने और भगवान ने कोई परीक्षा नहीं ली। प्रेम के वशीभूत होकर एक क्षण में गोद में बिठाकर सब दीवारें फंदा डाली; चाहे कितनी भी परेशानी आए फिर भी गुरु से लिंक जुड़ी रहे सो मुझ पर कृपा हुई कि प्रभु अपने साथ विमान में बैठाकर,

बेगमपुर की सैर कराई। फिर इससे भी भाग्यशाली जो गुरु के साथ 24 घंटे रहने का साथ मिला जो कोई भी रोक टोक नहीं है। फिर घर में भी बाप के रूप में आकर सब बंधन काट दिए जिसके कारण कोई भी कुछ कह नहीं सका। दूसरे तो गुरु से पूरी तरह मिल भी नहीं पाते पर मेरे तो जेल के दरवाजे हमेशा हमेशा के लिए खुल गए पहरदारों को नींद आ गई जो आज तक भी नहीं उठ सके और ना ही उठने की शक्ति है। मेरे पड़े हैं - फिर शरीर का साथी श्याम भी ऐसा दे दिया जो पूरी तरह से इस रास्ते पर मेरे पास साथ रह कर निर्विकारी जीवन बनाया। बाकी रहे सब बंधन भी कट गए। आज तक भगवानों ने भी मेरे शरीर को पीड़ा कष्ट नहीं दिया। चिंता करने का कोई कारण ही नहीं बनाया और उनके फल दे दिए हैं। लाखों खजाने दिए हैं जैसे एकलौता बेटा हो। उसको मां-बाप के सिवाय कोई दूसरा नहीं डांटता है - सभी उसको प्यार करते हैं। इस तरह मेरे को भी भगवान ने इकलौते बेटे की तरह चलाया। गुरु और सब लोगों ने मेरी सेवा की है, पर ली नहीं। तन मन धन से सब सुख प्राप्त हैं। सब इच्छाएं पूर्ण हो गई हैं। बल्कि जरूरत से ज्यादा मिला हुआ है। मेरी प्रार्थना तो भगवान ने खास बैठकर सुनहरे हाथों से लिखी है। मुझ पर उसकी खास मेहरबानी हुई है। जिसके कारण लाख शुकुराने हैं। अब तो सारी प्रकृति मेरी दासी होकर सेवा कर रही है कि मेरी सेवा कबूल करें। घर में बेपरवाह

मैं क्या नहीं हूँ - समुद्र मेरे
हुकम में आगे पीछे होता
है; पांच तत्व मेरे नौकर हैं;
देवता पूरी सेवा कर रहे हैं।

बादशाह हूँ। शुक्र है जो घर में कोई नहीं है, वरना तो यह दस नौकर इंद्रियां बेकार हो जाते। शरीर की मशीन कट जाती। मन तो एक पल भी खाली नहीं है। एक पल भी फुर्सत में नहीं बैठा। शरीर कर्म में मशगूल है और मन मधुसूदन में लगा हुआ है। एक-एक पल आनंद में लीन है - सब सिद्धियां हासिल हैं। मैं क्या नहीं हूँ - समुद्र मेरे हुकम में आगे पीछे होता है; पांच तत्व मेरे नौकर हैं; देवता पूरी सेवा कर रहे हैं। शरीर सुंदर, आवाज सुंदर सब इंद्रियां

सालिम हृष्ट पुष्ट मिले हैं। घुटने रुपी गाड़ी, मन रुपी घोड़ा, आत्मा रुपी सवार सब अपने क्रिया कर्म में पूर्ण हैं। गर्मी में hill station और सर्दी में heat मेरे लिए तैयार हो जाता है। अभी तक एक time भी भूखा नहीं रखा है। सदा भंडारे भरे पड़े हैं। दूसरा तो आत्मघाती महा पापी होने से बच गए। पूरा पूरा इंसान हो रहा है। इंसान का मंदिर है ये भगवान का घर है। तीसरी मेहरबानी यह है सब शांत प्रेम वाले हैं। किसी से भी शिकायत नहीं है। सादा आहार,

देवताओं जैसा स्वभाव है शुकुराने हैं। जो ज्ञान यज्ञ का दिल बनाया है नहीं तो दुनिया में कोई पूछता ही नहीं है। आज सब मेरे जीवन की रीस कर रहे हैं। हम तुम्हारे जैसे बने; यह सब मेहरबानियां हैं। कमला जैसी लखपति मेरे पास आई और बोली मेरे पास बहुत सारे बंगले हैं पर फिर भी तुम्हारा घर स्वर्ग है - शांति ही शांति है; मैं किसी रानी से कम नहीं हूं। भगवान ने मेरे लिए क्या नहीं किया है जो लिखने की ताकत इस कलम में नहीं है। जैसे Doctor के पास कोई मरीज ना आए तो Doctor की होशियारी का पता नहीं चलता। ऐसे ही सुनने वालों की बहुत शुकुरगुजार हूं जो आकर मुझसे ज्ञान सुनते हैं। ये अगर मेरे पास ना आते तो मेरे उन्नति कैसे होती।

बाकी शुकुर है कृतघ्न होने से बच गई नहीं तो धरती पर बोझ होती। यूं तो मैं स्वयं भगवान हूं पर कृतघ्नता के दोष से बचने के लिए यह शुकुराना मानना जरूरी है जिससे मन हमेशा मरता रहता है।

- ओम् 

